Ao – यूहन्ना बाप्तिस्मा देनेबाला का जन्म लूका १: ५७-८० | 1

– Save This Page as a PDF–

यूहन्ना बाप्तिस्मा देनेबाला का जन्म

लूका १: ५७-८०

खोदना: यूहन्ना का जन्म लूका १:१३-१७ में एडोनाई के दूत के शब्दों को कैसे पूरा करता है? इन घटनाओं पर पड़ोसियों और रिश्तेदारों ने क्या प्रतिक्रिया दी? यह सब कैसे सुसमाचार को बढ़ावा देना शुरू करता है? उन सभी चीजों की सूची बनाओ जिनके लिए जकर्याह एदोनै की प्रशंसा करता है। उसका गीत लूका १:४६-५५ में मरियम के गीत की तुलना कैसे करता है? इस गीत के अनुसार मोक्ष का उद्देश्य क्या है? ज़खार्याह का गीत किस प्रकार परमेश्वर की प्रकट योजना को तानाक के दिनों से लेकर मसीहा के आने तक दर्शाता है?

प्रतिबिंबित: आपके लिए इसका क्या अर्थ है कि प्रभु का हाथ किसी के साथ है: सफलता? साहस? संपत्ति? सहनशीलता? परम पूज्य? योचनन के जीवन में उनका हाथ कैसे देखा गया? आपके लिए क्या मतलब है? इस गीत में सूचीबद्ध वादों में से, आपके जीवन के इस पड़ाव पर आपके लिए कौन सा सबसे अधिक मायने रखता है? क्यों? परमेश्वर ने आपके जीवन में अपनी मुक्ति की योजना को कैसे प्रकट किया है? आपके लिए रास्ता तैयार करने में किसने मदद की? कुछ प्रमुख घटनाएँ क्या थीं जो आपको यीशु के प्रति आपकी प्रतिबद्धता की ओर ले गईं?

इससे यह विचार शुरू होता है कि जो हेराल्ड के साथ होता है, वह राजा के साथ होता है।

जब इलीशिबा के बच्चे को जन्म देने का समय आया, तो उसने एक पुत्र को जन्म दिया (लूका १:५७)। एलीशेवा के बाँझपन की परिस्थितियाँ व्यापक रूप से जानी जाती थीं; इसलिए जॉन के जन्म को अलौकिक माना गया। उसके पड़ोसियों और सम्बन्धियों ने सुना कि यहोवा ने उस पर बड़ी दया की है, और वे उसके आनन्द में सहभागी हुए (लूका १:५८)। जाहिर तौर पर एलिजाबेथ अपनी गर्भावस्था के दौरान एकांत में रहीं। यहां अपूर्ण काल बार-बार की जाने वाली क्रिया को दर्शाता है, वे उसके साथ बार-बार आनन्दित होते रहे।

आठवें दिन वे बालक का खतना करने आए। एक लड़के के जीवन के आठवें दिन खतना एक यहूदी के लिए इब्राहीम के साथ बनाई गई वाचा के तहत एकमात्र शर्त है (उत्पत्ति An पर मेरी टिप्पणी देखें – आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रत्येक पुरुष जो आठ दिन पुराना है, उसका खतना किया जाना चाहिए)। उसके पड़ोसी और रिश्तेदार उसका नाम उसके पिता –

Ao – यूहन्ना बाप्तिस्मा देनेबाला का जन्म लूका १: ५७-८० | 2

जकर्याह जूनियर के नाम पर रखने का प्रयास कर रहे थे। . यदि आप करेंगे (लूका १:५९)। जब अंतिम आशीर्वाद बोला गया था और खतना किया गया था, और फिर शराब के प्याले पर अनुग्रह की अंतिम घोषणा हुई, “हमारे भगवान और हमारे पिता के भगवान, इस बच्चे को उसके पिता और माता के लिए उठाएँ, और उसका नाम रहने दें ज़खर्याह कहलाओ।” लेकिन उसकी माँ ने बीच-बचाव करते हुए कहा: नहीं! वह यूहन्ना कहलाएगा (लूका १:६०)। स्पष्ट रूप से जकर्याह ने पहले ही कई बार एलिज़ाबेथ के साथ मंदिर में अपने अनुभव के बारे में बताया था और वह प्रभु के दूत की आज्ञा का पालन कर रही थी।

हालाँकि, यह यहूदी परंपरा और प्रथा के विपरीत था और इसलिए वहाँ एकत्रित समुदाय में एक समस्या खड़ी हो गई। उन्होंने उस से कहा, “तेरे सम्बन्धियों में ऐसा कोई नहीं है जिसका वह नाम हो (लूका १:६१)। उस दिन के यहूदी रिवाज के अनुसार, वे बच्चे का नाम जीवित या मृत किसी भी रिश्तेदार के नाम पर रखेंगे। रब्बी सिखाते हैं कि ऐसा इसलिए था क्योंकि जब परमेश्वर ने खतना की स्थापना की थी तब परमेश्वर ने अब्राम और सारै के नाम बदल दिए थे। आधुनिक यहूदी परंपरा में यह अभी भी कुछ हद तक किया जाता है। आप अपने बच्चों का नाम किसी ऐसे रिश्तेदार के नाम पर रखें जो पहले ही मर चुका हो। परन्तु जकर्याह या इलीशिबा के परिवार में कोई ऐसा नहीं था, जिसका नाम कभी यूहन्ना रखा गया हो। इसलिए खतना समारोह में दूसरी यहूदी माँ को एलीशेवा जो कुछ भी कर रही थी उसे पसंद नहीं आया और उसने अपने पति के पास जाने की योजना बनाई। वह निश्चित रूप से उसे सीधा कर देगा!

तब उन्होंने उसके पिता ज़खर्याह को, जो लगभग नौ महीने से बहरा और गूंगा था, संकेत दिए कि वह बच्चे का नाम क्या रखना चाहेगा। उसने एक लेखन टैबलेट के लिए कहा। उसे शायद लकड़ी का एक टुकड़ा दिया गया था जिसे खोखला कर दिया गया था और मोम से भर दिया गया था। और सभी को चकित करते हुए उसने लिखा, “उसका नाम योचनन है।” आज्ञाकारिता के इस कार्य के कारण उसके बहरेपन और गूंगे दोनों के निर्णय को हटा दिया गया और वह बोलने में सक्षम हो गया। फ़ौरन उसका मुँह खुला और उसकी ज़बान आज़ाद हो गई। परमेश्वर की ताड़ना का वांछित परिणाम हुआ और उसने परमेश्वर की स्तुति करते हुए बोलना शुरू किया (लूका १:६२-६४)। मंदिर में उनके अंतिम शब्द संदेह के शब्द थे; उसके बहरे और गूंगे होने के पाठ के बाद उसके पहले शब्द, विश्वास और प्रशंसा के शब्द थे। हम सभी ने अपने जीवन में कभी न कभी विश्वास की कमी दिखाई है। लेकिन जब परमेश्वर हमारी प्रार्थनाओं को सुनता है और उत्तर देता है, जैसे ज़खर्याह, हम वास्तव में उठते हैं और आनन्दित होते हैं।

जकर्याह की भविष्यवाणी ने पड़ोसियों को विस्मय से भर दिया, या प्रभु का एक स्वस्थ भय (नीतिवचन ९:१०), जो उचित प्रतिक्रिया थी जब उन्होंने महसूस किया कि लंबे समय से प्रतीक्षित मसीहा के लिए रास्ता तैयार किया जा रहा था। और यहूदिया के सारे पहाड़ी देश में लोग इन सब बातोंकी चर्चा कर रहे थे। वे, वास्तव में, प्रचारक बन गए जिन्होंने यहूदिया के पूरे ग्रामीण इलाकों में ज़खारिया ने उन्हें जो कुछ बताया था, उसकी सच्चाई की घोषणा की। यह सुनकर हर कोई हैरान रह गया।

Ao – यूहन्ना बाप्तिस्मा देनेबाला का जन्म लूका १: ५७-८० | 3

इस कारण से कई लोगों ने सवाल किया: फिर यह बच्चा क्या होगा? क्योंकि अदोनै का हाथ उसके साथ था (लूका १:६५-६६)। भगवान की शक्तिशाली उपस्थिति के लिए यहोवा का वाक्यांश हाथ तन्नाख की एक सामान्य अभिव्यक्ति है।

उसका पिता जकर्याह पवित्र आत्मा से भर गया। रुआच हाकोडेश के नियंत्रण में, उसने तानाख (लूका १:६७) में पाए गए किसी भी अधिकार के साथ एक संदेश की भविष्यवाणी की: उसने ल्यूक में मैरी १:४६-६६ द्वारा दर्ज किए गए चार गीतों में से दूसरा गाया, यहां जकर्याह १ द्वारा :६८-७९, स्वर्गदूतों का एक समूह २:१४, और शिमोन २:२९-३२।

जकर्याह का गीत दो मुख्य खंडों में विभाजित
है। सबसे पहले, ज़खर्याह उस मेशियाक की स्तुति करता है जो आने वाला था (लूका १:६८-७५)। पूरे पहले खंड में ग्रीक में एक वाक्य होता है। उसने परमेश्वर के काम के बारे में गाना शुरू किया जो पहले से ही जॉन के जन्म और मसीहा की अवधारणा के साथ शुरू हो चुका है: इस्राएल के परमेश्वर यहोवा की स्तुति करो, क्योंकि वह अपने लोगों के पास आया है और उन्हें छुड़ाया है (लूका १:६८)। फिर से हम उसे आने वाले मसीहा को यहूदी वाचाओं से जोड़ते हुए पाते हैं। ADONAI ने वही करना शुरू कर दिया है जिसकी उसने बहुत पहले के अपने पवित्र भविष्यवक्ताओं के मुख से प्रतिज्ञा की थी (लूका १:७०)।

उसने अपने दास दाऊद के घराने में हमारे लिये उद्धार का एक सींग खड़ा किया है (लूका १:६९)। एक सींग की छवि जानवर की ताकत का प्रतीक है। चूँकि योचनन स्वयं दाऊद के घराने से जुड़ा नहीं है (भजन संहिता १३२:१७), उद्धार का सींग योचन का उल्लेख नहीं कर सकता है, लेकिन मेशियाच के लिए वह घोषणा कर रहा था। यहां वर्णित मुक्ति राजनीतिक नहीं, व्यक्तिगत है। यह मसीह के साथ एक व्यक्ति के संबंध के बारे में बात करता है। इसमें व्यक्ति का जीवन शामिल है (लूका ९:२४), और यह उन लोगों के लिए है जो पहचानते हैं कि वे खो गए हैं (लूका १९:१०)। यह विश्वास के द्वारा आता है (लूका ७:५०, १७:१९, १८:४२), उनके पापों की क्षमा के द्वारा (लूका १:७७)। विश्वास को बचाने का परिणाम हमारे शत्रुओं से और उन सभी के हाथ से उद्धार में होता है जो हमसे घृणा करते हैं (लूका १:७१; दूसरा शमूएल २२:१८; भजन संहिता १८:१७, १०६:१०)। लूका ने उद्धार को पाप से मुक्ति का अर्थ समझा, और इस प्रकार, लूका के अनुसार, यूहन्ना ने उस उद्धार को समझा जिसे यीशु यूहन्ना के संदेश में साक्षी के रूप में

Ao – यूहन्ना बाप्तिस्मा देनेबाला का जन्म लूका १: ५७-८० | 4

लाएगा (लूका ३:७-१४)।

छंद ७२ और ७३ में शब्दों पर एक नाटक है। ज़खारिया नाम का अर्थ है याद रखना और एलीशेवा के नाम का अर्थ है ईश्वर की शपथ। इसलिए हमें विश्वास हो सकता है कि तानाख के धर्मी लोगों से किए गए वादों को पूरा करने के लिए एडोनाई को उनकी शपथ याद है। कि वह हमारे पूर्वजों पर दया करेगा और अपनी पवित्र वाचा को स्मरण रखेगा (लूका १:७२)। यह आज हमारे लिए भी एक सुकून की बात होनी चाहिए क्योंकि हमें भरोसा हो सकता है कि परमेश्वर एक वादा करने वाला है। वह इस्राएल से किए गए अपने वादों को पूरा करेगा और वह हमसे किए गए अपने वादों को पूरा करेगा।

शपथ उसने हमारे पिता इब्राहीम (उत्पत्ति १७:४ और २२:१६-१७) से हमें हमारे शत्रुओं के हाथ से छुड़ाने की शपथ दिलाई। फिर लूका ने इस बचाव को लाक्षणिक रूप से समझा (देखें भजन संहिता ९७:१०)। इस बचाव में उस तरह का उद्धार शामिल है जिसका वादा यिर्मयाह ३१:३१-३४ में किया गया था, जहां एडोनाई ने प्रतिज्ञा की थी कि वह इस्राएल को उनके पापों से क्षमा करेगा, उन्हें शुद्ध करेगा, उन्हें एक नया दिल देगा और उन्हें बिना किसी भय के उसकी सेवा करने में सक्षम करेगा (लूका १:७३-७४) हमारे सभी दिनों में उसके सामने पवित्रता और धार्मिकता में (लूका १:७५)। हमारे सभी दिनों का वाक्यांश भजन १६:११ और १८:५१ में समापन के रूप में प्रयोग किया जाता है। यह भगवान के उद्धार की शाश्वत प्रकृति और इसी मानवीय प्रतिक्रिया को व्यक्त करता है।

दूसरे, जकर्याह अपने ही पुत्र की प्रशंसा
करता है जो राजा मसीह का अग्रदूत होगा (लूका १:७६-७९)। इस बिंदु पर काल में परिवर्तन होता है, भूतकाल से, जो वर्णन करता है कि यहोवा पहले से क्या करना शुरू कर चुका है, भविष्य काल तक, जो विशेष रूप से जॉन के भविष्य के मंत्रालय की बात करता है। यहाँ जकर्याह, पवित्र आत्मा की प्रेरणा के तहत , मलाकी की भविष्यवाणी को याद करता है कि एलिय्याह मसीहा से पहले था: और तुम, मेरे बच्चे, परमप्रधान का नबी कहलाएंगे; क्योंकि तू यहोवा के साम्हने उसके लिये मार्ग तैयार करेगा, योकानन का काम भविष्यद्वक्ता का पद ग्रहण करना और राजा के लिये मार्ग तैयार करना था। जबकि यूहन्ना परमप्रधान का भविष्यद्वक्ता था (लूका १:७६), यीशु परमप्रधान का पुत्र है (लूका १:३२)। एक बांझ महिला के लिए जॉन का जन्म चमत्कारी था, लेकिन एक कुंवारी के

Ao – यूहन्ना बाप्तिस्मा देनेबाला का जन्म लूका १: ५७-८० | 5

लिए येशुआ का जन्म अद्वितीय और अभूतपूर्व है। योचनन की भूमिका प्रभु के लिए मार्ग तैयार करने की थी (लूका १:१७), लेकिन यीशु ही वह प्रभु है – उद्धारकर्ता, जो मेशियाच है, प्रभु (२:११)।

युहोन्ना उद्धारकर्ता नहीं था और उसका संदेश नहीं बचा सका। उसका मंत्रालय उद्धारकर्ता का परिचय देना था जो परमेश्वर के लोगों को उनके पापों की क्षमा के माध्यम से उद्धार प्रदान करेगा (लूका १:७७)। मसीहा जो छुटकारे देगा वह एक राजनीतिक मुक्ति नहीं है, बल्कि एक ऐसा उद्धार है जिसमें उनके पापों की क्षमा शामिल है। नतीजतन, यिर्मयाह की भविष्यवाणी पूरी होगी: कोई अपने पड़ोसी, या अपने भाई को यह कहते हुए नहीं सिखाएगा, “अदोनै को जानो,” क्योंकि वे सब मुझे जानेंगे, छोटे से लेकर बड़े तक, यहोवा की घोषणा करता है। क्योंकि मैं उनकी दुष्टता को क्षमा करूंगा, और उनके पापों को फिर स्मरण न करूंगा (यिर्मयाह ३१:३४)।

उद्धार केवल हमारे परमेश्वर की कोमल दया के कारण ही संभव है, जिसके द्वारा उगता हुआ सूर्य स्वर्ग से हमारे पास आएगा (लूका १:७८)। उगते सूरज का अर्थ है दिन का तारा, या भोर का तारा, जो इस अर्थ में दिन के आने की घोषणा करता है कि यूहन्ना धार्मिकता के पुत्र की घोषणा करने वाला भोर का तारा है (मलाकी ४:२) जो स्वर्ग से हमारे पास आएगा। परिणामस्वरूप, योचनन की सेवकाई दुगनी होगी, पहला उन अन्यजातियों पर प्रकाश डालना जो अंधकार में और मृत्यु की छाया में रह रहे हैं, और दूसरा हमारे पैरों, या इस्राएल राष्ट्र को शांति के मार्ग में मार्गदर्शन करने के लिए (१:७९)। यह पिछले श्लोक में उगते सूरज की छवि को उठाता है। श्लोक ६८-७९ को पश्चिम में बेनेडिक्टस के रूप में जाना जाता है (जो कि वल्गेट में खंड का पहला शब्द है)। मैग्निफिकेंट (देखें An – मरियम की गीत) के साथ, पूरी भविष्यवाणी तानाख की भाषा में लिखी गई है।

और बालक बड़ा होकर बलवान हुआ (लूका १:८०अ)। हम शास्त्रों में कहीं और समानांतर खाते पाते हैं। मसीहा के विकास का वर्णन करने वाले पहले सात शब्द (यूनानी में छह शब्द) लूका २:४० के समान हैं। लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि वह आत्मा में मजबूत हो गया। पहले हमने सीखा था कि योचनन पवित्र आत्मा से भर जाएगा (लूका १:१५), और यहाँ हम उस भविष्यवाणी की पूर्ति को देखते हैं। इसी तरह की भाषा न्यायाधीशों में भी पाई जाती है जहां हम सीखते हैं कि सैम्पसन विकसित हुआ और रूच हाकोडेश उस पर आ गया (न्यायियों १३:२४-२५ और ३:१०)। इस प्रकार, जॉन शारीरिक और आध्यात्मिक रूप से मजबूत हुआ।

यह एक सारांश खाता है। वह निर्जन प्रदेश में तब तक बढ़ता रहा जब तक कि वह सार्वजनिक रूप से इस्राएल के सामने प्रकट नहीं हुआ (१:८०ख)। एक युवा व्यक्ति के लिए यह सामान्य नहीं था। उस विशेष मिशन के कारण जिसके बारे में योचनन कम उम्र से जानता था, उसने एलिय्याह की भूमिका का अनुसरण किया (लूका १:१७)। ल्यूक ने जॉन के नाम को एक साहित्यिक उपकरण के रूप में उल्लेख किया, ज़खारिया के लंबे गीत के बाद,

Ao – यूहन्ना बाप्तिस्मा देनेबाला का जन्म लूका १: ५७-८० | 6

हमें कथा में वापस लाने के लिए। अपने जीवन के कुछ समय पहले, हम नहीं जानते कि कब, वह उस शहर को छोड़ कर जिसमें वह पैदा हुआ था और यहूदिया के जंगल में चला गया। वह अपना अधिकांश जीवन वहीं व्यतीत करता है। इसने यूहन्ना को उसके समय के यहूदी धर्म से अलग कर दिया। जब उनका सार्वजनिक संदेश आखिरकार तीस साल बाद आया, तो यह रब्बी के यहूदी धर्म से अलग था।